भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 580

जिसका उत्तर दिनांक 05.02.2020 को दिया जाना है

परमाणु संयंत्रों की स्थिति

580. श्री सी. पी. जोशी :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में परमाणु संयंत्रों की क्षमता-वार स्थिति क्या है;

(ख) क्या सरकार भविष्य में और अधिक परमाणु संयंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखती है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) वर्तमान में निर्मित या लंबित उक्त संयंत्रों की संख्या कितनी है और उनके स्थानों के नाम क्या हैं; और

(घ) गत तीन वर्षों के दौरान परमाणु संयंत्रों की बिजली उत्पादन क्षमता में कितना सुधार हुआ है तथा तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) वर्तमान में देश की संस्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता, 22 प्रचालनरत नाभिकीय विद्युत रिएक्टरों से कुल मिलाकर 6780 MW है । विवरण निम्नलिखित है :

राज्य	स्थान	यूनिट	क्षमता (MW)
महाराष्ट्र	तारापुर	टीएपीएस-1	160
		टीएपीएस-2	160
		टीएपीएस-3	540
		टीएपीएस-4	540
राजस्थान	रावतभाटा	आरएपीएस-1*	100
		आरएपीएस-2	200
		आरएपीएस-3	220
		आरएपीएस-4	220
		आरएपीएस-5	220
		आरएपीएस-6	220
उत्तर प्रदेश	नरोरा	एनएपीएस-1	220
		एनएपीएस-2	220
गुजरात	काकरापार	केएपीएस-1	220
		केएपीएस-2	220

.....2

कर्नाटक	कैगा	केजीएस-1	220
		केजीएस-2	220
		केजीएस-3	220
		केजीएस-4	220
तमिल नाडु	कलपाक्कम	एमएपीएस-1	220
		एमएपीएस-2	220
	कुडनकुलम	केकेएनपीपी-1	1000
		केकेएनपीपी-2	1000

* आरएपीएस-1 (100 MW) तकनीकी-वाणिज्यिक मूल्यांकन के लिए वर्ष 2004 से विस्तारित शटडाउन के अधीन है ।

(ख) तथा (ग) जी, हाँ । नौ (9) नाभिकीय विद्युत रिएक्टरों से कुल मिलाकर 6700 MW क्षमता निर्माणाधीन/कमीशनन अधीन है । विवरण निम्नलिखित है :

परियोजना	**स्थान तथा राज्य**	**क्षमता (MW)**
केएपीपी-3 तथा 4	काकरापार, गुज़रात	2 X 700
आरएपीपी-7 तथा 8	रावतभाटा, राजस्थान	2 X 700
केकेएनपीपी-3 तथा 4	कुडनकुलम, तमिल नाडु	2 X 1000
जीएचएवीपी-1 तथा 2	गोरखपुर, हरियाणा	2 X 700
पीएफबीआर	कल्पाक्कम, तमिलनाडु	1 X 500

इसके अतिरिक्त, सरकार ने कुल 9000 MW क्षमता वाले निम्नलिखित बारह (12) और रिएक्टरों के लिए भी प्रशासनिक अनुमोदन एवं वित्तीय मंजूरी प्रदान कर दी है जहां पर वर्तमान में परियोजना-पूर्व गतिविधियां चल रही हैं । विवरण नीचे दिया गया है :

परियोजना	**स्थान तथा राज्य**	**क्षमता (MW)**
चुटका-1 तथा 2	चुटका, मध्य प्रदेश	2 X 700
कैगा-5 तथा 6	कैगा, कर्नाटक	2 X 700
माही बाँसवाड़ा-1 तथा 2	माही बाँसवाड़ा, राजस्थान	2 X 700
जीएचएवीपी-3 तथा 4	गोरखपुर, हरियाणा	2 X 700
माही बाँसवाड़ा-3 तथा 4	माही बाँसवाड़ा, राजस्थान	2 X 700
केकेएनपीपी-5 तथा 6	कुडनकुलम, तमिल नाडु	2 X 1000

इसके अलावा, सरकार ने एनपीसीआईएल द्वारा भविष्य में, नाभिकीय विद्युत परियोजनाएं स्थापित करने के लिए 'सिद्धांतत:' अनुमोदन प्रदान कर दिया है :

क्षमता	**विदेशी सहयोग**	**देश / स्वदेशी**
6 x 1650 MWe	मेसर्स ईडीएफ	फ्रांस
6 x 1208 MWe	मेसर्स जीई हिटाची	यूएसए
6 x 1000* MWe	मेसर्स वेस्टिंगहाउस इलेक्ट्रिक कंपनी	यूएसए
6 x 1000* MWe	मेसर्स एटमस्ट्रॉयएक्सपोर्ट	रुसी परिसंघ
4 x 700 MWe	--	पीएचडब्ल्यूआर, स्वदेशी

* नाममात्र क्षमता

(घ) पिछले तीन वर्षों (2016-17 से 2018-19) के दौरान, 1000 MW (केकेएनपीपी-2) नई क्षमता जुड़ जाने से संस्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता 5780 MW से बढ़कर 6780 MW हो गई है ।

* * * * *